प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

उत्तराखण्ड के ग्राम प्रधानों हेतु प्राकृतिक खेती सम्बन्धी जागरूकता कार्यक्रम

पंतनगर। 11 जून 2022। प्राकृतिक कृषि पर आयोजित, राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्राकृतिक खेती के महत्व एवं इसे अपनाने पर बल दिया गया था। उन्होंने कहा कि इस कृषि को अपनाते हुए धीरे–धीरे जनसमुदाय को रसायनमुक्त उत्पाद उपलब्ध कराने की ओर अग्रसर होंगें। इसी क्रम में भारत सरकार ने प्रथम चरण में देश के 30,000 ग्राम प्रधानों को 750 ऑनलाईन कार्यक्रम द्वारा प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक करने का निर्णय लिया है। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर मैनेज, हैदराबाद एवं राज्य स्तर पर विभिन्न राज्यों के समेटी को अधिकृत किया है। उत्तराखण्ड में भारत सरकार के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को समेटी–उत्तराखण्ड, प्रसार शिक्षा निदेशालय, गो.ब. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर द्वारा व्यापक रूप से प्रचार–प्रसार करने हेतु उत्तराखण्ड के 13 जिलों में ऑनलाईन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिनमें अल्मोड़ा, ऊधमसिंह नगर; बागेश्वर; चम्पावत, नैनीताल; पिथौरागढ़ ; रूद्रप्रयाग; टिहरी गढ़वाल; पौड़ी गढ़वाल; देहरादून; चमोली, हरिद्वार एवं उत्तरकाशी

निदेशक समेटी–उत्तराखण्ड, डा. अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि संस्थान द्वारा व्यापक प्रचार–प्रसार करते हुए उत्तराखण्ड के ज्यादा से ज्यादा सम्मानित ग्राम प्रधानों को प्राकृतिक खेती सम्बन्धी जानकारी उपलब्ध कराने की पहल करने जा रही है। डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक, सस्य विज्ञान एवं समन्वयक ने अवगत कराया कि यह कार्यक्रम उत्तराखण्ड के प्रत्येक जनपदों में आयोजित करते हुए लगभग 650 ग्राम प्रधानों को जागरूकता कार्यक्रम से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी हेतु प्रसार शिक्षा निदेशालय में सम्पर्क किया जा सकता है।